अर्द्धवार्षिक परीक्षा 2019–20

कक्षा : 12

FZB / 100

विषय : हिन्दी

समय : 3:00 घंटा

पूर्णांक : 80

सामान्य निर्देश –

1. इस प्रश्न पत्र में 14 प्रश्न हैं। सभी प्रश्न पत्र करना अनिवार्य है।
2. विद्यार्थी यथासंभव अपने शब्दों में उत्तर लिखें।

खण्ड–क

1. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर प्रत्येक 20–30 शब्दों में लिखिए– (12)

हिन्दी के बारे में या उसके विरोध के बारे में जब भी कोई हलचल होती है तो राजनीति का मुखौटा ओढ़े रहने वाले भाषा व्यवसायी बेनकाब होने लगते है। उनकी बेचैनी समझ मे नहीं आती। संविधान में स्पष्ट प्रावधानों के बाद भी यह अविश्वास का माहौल बनता क्यों है? यहां हम केवल एक ही प्रावधान करें याद करें। संविधान के अनुच्छेद 351 में हिन्दी भाषा के विकास के लिए निर्देशदेते हुए कहा गया है – 'संघ का यह कर्तव्य होगा कि वह हिन्दी भाषा का प्रसार बढ़ाए, उसका विकास करे, जिसस वह भारत की सामाजिक संस्कृति के सभी तत्वों की अभिव्यक्ति का माध्यम बन सके और उसकी प्रकृति में हस्तक्षेप किए बिना हिन्दुस्तानी और आठवीं अनूसूची में विनिर्दिष्ट भारत की अन्य भाषाओं मे प्रयुक्त रूप, शैली और पदों को आत्मसात् करते हुए और जहां आवश्यक या वांछनीय हो वहां उसके शब्द भंडार के लिए मुख्यतः संस्कृत से और गौणतः अन्य भाषाओं से शब्द ग्रहण करते हुए उसकी समृद्धि सुनिश्चित करे।'

यही सब देखकर हिन्दी के विषय में अक्सर यह लगने लगता है जैसे संविधान के संकल्पों का निष्कर्ष कहीं खो गया है और हम निर्माताओं के आशय से कहीं दूर भटक गए है। सहज ही मन में ये प्रश्न उठते हैं कि हमने संविधान के सपने को साकार करने के लिए क्या किया? क्यों नहीं हमारे कार्यक्रम प्रभावी हुए? क्यों और कैसे अंग्रेजी भाषा की मानसिकता हम पर और हमारी युवा एवं किशोर पीढ़ी पर इतनी हावी हो चुकी है कि इसी मिट्टी से जन्मी हमारी अपनी भाषाओं की अस्मिता और भविष्य संकट में प्रतीत होता है। शिक्षा में, व्यापार और व्यवहार में, संसदीय, शासकीय एवं न्यायिक प्रक्रियाओं में हिन्दी और प्रादेशिक भाषाओं को वर्चस्व क्यों नहीं मिल पा रहा?

क. भाषा व्यवसायी से क्या अभिप्राय है? उनकी पोल कब खुलने लगती है? (2)

ख. संविधान में 'संघ' से आप क्या समझते हैं? हिन्दी भाषा को लेकर संघ का क्या कर्तव्य बताया गया है? (2)

ग. हिन्दी भाषा के विकास की आवश्यकता क्यों है? (2)

घ. भारत की अन्य भाषाओं से लेखक का क्या तात्पर्य है? यहां उनका उल्लेख क्यों हुआ है? (2)

ङ. 'अंग्रेजी भाषा की मानसिकता' से क्या तात्पर्य है? उसका क्या परिणाम हो रहा है? (2)

च. यह कैसे कह सकते हैं कि हमारी अपनी भाषा का भविष्य संकट में है? (1)

छ. गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक दीजिए। (1)

2. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर प्रत्येक 20–30 शब्दों में लिखिए– (1x4=4)

सहता प्रहार कोई विवश, कदर्य जीव
जिसकी नसों में नहीं पौरुष की धार है।
करुणा क्षमा है वीर जाति के कलंक घोर
क्षमता क्षमा की शूरवीरों का श्रृंगार है।
प्रतिशोध से हैं होती शौर्य की शिखाएं दीप्त
प्रतिशोध हीनता नरों में महापाप है
छोड़ प्रीति वैर पीते मूक अपमान वे ही
जिनमें न शेष शूरता का वहिन ताप है।
जेता के विभूषण सहिष्णुता क्षमा हैं किंतु
हारी हुई जाति की सहिष्णुता अभिशाप है।
सेना साजहीन है परस्व हरने की वृत्ति
लोभ की लड़ाई क्षात्र धर्म के विरुद्ध है
चोट खा परंतु जब सिंह उठता है जाग
उठता कराल प्रतिशोध हो प्रबुद्ध है
पुण्य खिलता है चंद्रहास की विभा में तब
पौरुष की जागृति कहाती धर्मयुद्ध है।

क. क्षमा कब कलंक और कब श्रृंगार हो जाती है?
ख. प्रतिशोध किसे कहते हैं? वह कब आवश्यक होता है?
ग. सहिष्णुता को विभूषण और अभिशाप दोनों क्यो माना गया?
घ. भाव स्पष्ट कीजिए ' 'पौरुष की जागृति कहाती धर्मयुद्ध है।'

खण्ड–ख

3. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 150 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए– (5)

क. कम्प्यूटर : मेरे जीवन में
ख. भारत की सामाजिक समस्याएं
ग. स्वाभिमान चाहिए, अभिमान नहीं
घ. विकास के लिए शिक्षा आवश्यक

4. दूरदर्शन केन्द्र के निदेशक को नवीन साहित्यिक रचनाओं पर कार्यक्रम प्रसारित करने का आग्रह करते हुए लगभग 150 शब्दों में पत्र लिखिए। (5)

अथवा

अपने नगर में बढ़ रही चोरी की घटनाओं पर ध्यानाकर्षण हेतु पुलिस अधीक्षक महोदय को प्रार्थना पत्र लिखिए।

5. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर प्रत्येक 20–30 शब्दों में लिखिए– (1x4=4)

क. संचार के विविध प्रकारों के नाम लिखिए।

ख. संपादक के कार्यों का वर्णन करें।

ग. समाचार के तत्वों पर प्रकाश डालिए।

घ. विशेषीकृत पत्रकारिता क्या होती है?

6. 'गांव से मजदूरों का पलायन' विषय पर लगभग 150 शब्दों मे आलेख लिखिए। (3)

अथवा

हाल ही में पढ़ी यात्रा वृत्तांतों की किसी पुस्तक की संतुलित समीक्ष लगभग 150 शब्दों में लिखिए।

7. 'गरीबों से दूर होती शिक्षा सुविधाएं' विषय पर संपादकीय लिखिए। (3)

अथवा

'अनुच्छेद 370 का निष्प्रभवी होना और जम्मू कश्मीर की वर्तमान स्थिति' पर संपादकीय लेख लिखिए।

खण्ड–ग

8. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूदे गए प्रश्नों के उत्तर, प्रत्येक 30 शब्दों में लिखिए– (2x3=6)

बच्चे प्रत्याशा में होंगे,
नीड़ों से झांक रहे होंगे–
यह ध्यान परों में चिड़ियों के भरता कितनी चंचलता है।
दिन जल्दी जल्दी ढलता है।

मुझसे मिलने को कौन विकल?
मैं होऊं किसके हित चंचल?
यह प्रश्न शिथिल करता पद को, भरता उर में विह्वलता है।
दिन जल्दी जल्दी ढलता है।

क. किसके बच्चों की बात की गई है, वे नीड़ों से क्यों झांक रहे हैं?

ख. चिड़ियों की उड़ान में गति आने और कवि के शिथिल कदमों के क्या कारण हो सकते हैं?

ग. 'दिन जल्दी जल्दी ढलता है' – कथन की आवृत्ति क्या संकेत करती है?

अथवा

सचमुच मुझे दंड दो कि हो जाऊं
पाताली अंधेरे की गुहाओं में विवरों में
धुएं के बादलों में बिलकुल मैं लापता
लापता कि वहां भी तुम्हारा ही सहारा है।
इसलिए कि जो भी मेरा है

या मेरा होता सा लगता है होता सा संभव है
सभी वह तुम्हारे की कारण के कार्यों का घेरा है, कार्यों का वैभव है
अब तक तो जिंदगी में जो कुछ था जो कुछ है
सहर्ष स्वीकारा है।
इसलिए कि जो कछ भी मेरा है
वह तुम्हें प्यारा है।

क. कवि दंड़े पाने की इच्छा क्यों रखता है?
ख. कवि दंड स्वरूप कहां जाना चाहता है और क्यों?
ग. प्रिया के बारे में कवि क्या अनुभव करता है?

9. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लगभग 30 शब्दों में लिखिए– (2x2=4)

तिरती है समीर सागर पर
अस्थिर सुख पर दुख की छाया
जग में दग्ध हृदय पर
निर्दय विप्लव की प्लावित माया
यह तेरी रण तरी भरी आकांक्षाओं से

क. काव्यांश की भाषा व अलंकारिक सौन्दर्य पर टिप्पणी कीजिए।
ख. काव्यांश का भाव सौंदर्य स्पष्ट कीजिए।

अथवा

कविता एक उड़ान है चिड़िया के बहाने
कविता की उड़ान भला चिड़िया क्या जाने
बाहर भीतर इस घर उस घर
कविता के पंख लगा के उड़ने के माने चिड़िया क्या जाने।

क. कविता की उड़ान की तुलना चिड़िया से क्यों की गई है? क्या कविता की उड़ान चिड़िया की उड़ान से भिन्न है?
ख. काव्यांश के भाषा सौंदर्य पर टिप्पणी कीजिए।

10. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 30–40 शब्दों में लिखिए। (2x3=6)

क. सोचकर बताएं कि पतंग के लिए सबसे हल्की और रंगीन चीज, सबसे पतला कागज, सबसे पतली कमानी जैसे विशेषणों का प्रयोग क्यों किया गया है?
ख. 'भाषा को सहूलियत से बरतने' का क्या अभिप्राय है?

ग. 'कैमरे में बंद अपाहिज' करुणा के मुखौटे में छिपी क्रूरता की कविता है–विचार कीजिएं

11. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर प्रत्येक 30 शब्दों में लिखिए– (2x3=6)

बाजार मे एक जादू है। वह जादू आंख की राह काम करता है। वह रूप का जादू है। पर जैसे चुंबक का जादू लोहे पर ही चलता है वैसे ही इस जादू की भी मर्यादा है। जेब भरी हो और मन खाली हा ऐसी हालत में जादू का असर खूब होता है। जेब खाली प मन भरा न हो, तो भी जादू चल जाएगा। मन खाली ह तो बाजार की अनेकानेक चीजों का निमंत्रण उस तक पहूंच जाएगा। कहीं हुइ उस वक्त जेब भीर, तब तो फिर वह मन किसकी मानने वाला है। मालूम होता है यह भी लूं, वह भी लूं। सभी सामान जरूरी औश्र आराम को बढ़ाने वलाा मालूम होता है। पर यह सब जादू का असर है।

क. 'बाजार में एक जादू है' कथन का क्या आशय है? यह जादू कैसे काम करता है?
ख. मन खाली होने का क्या अथ है? इसका परिणाम क्या होता है?
ग. मन पर जादू का असर कब औश्र कैसे दिखाई देता है?

12. गद्य खण्ड पर आधारित निम्न प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

क. 'काले मेघा पानी दे' के आधार पर जीजी की दृष्टि में त्याग और दान को परिभाषित कीजिए। (3)
ख. पहलवान की ढोलक की आवाज का पूरे गांव पर क्या असर होता था? कैसे? (3)
ग. आपके विचार से चार्ली चैप्लिन की सर्व स्वीकार्यता के क्या कारण हो सकते हैं? (3)
घ. नमक कहानी की मूल संवेदना स्पष्ट कीजिए। (1)

13. भूषण के द्वारा ऊनी ड्रेसिंग गाउन देने पर यशोधर पंत के मन में उत्साह का अभाव किन जीवन मूल्यों की उपेक्षा के कारण दिखाई देता है? बुजुर्ग पीढ़ी हमसे क्या अपेक्षा करती है? (लगभग 150 शब्दों में लिखिए) (4)

14. सहायक पुस्तिका आधारित किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखिए– (2x4=8)

क. आपके विचार से पढ़ाई लिखाई के संबंध में 'जूझ' के लेखक और दत्ता जी राव का रवैया सही था यालेखक के पिता का?
ख. कविता के प्रति लगाव से पहले औश्र उकसे बाद अकेलेपन के प्रति लेखक की धारणा में क्या बदलाव आया?
ग. जूझ शीर्षक के औचित्य पर विचार करते हुए यह स्पष्ट करें कि क्या यह शीर्ष्क कथानायक की किसी केन्द्रीय चारित्रिक विशेषता को उजगर करता है?
घ. वर्तमान समय में परिवार की संरचना, स्वरूप से जुड़े आपके अनुभव 'सिल्वर वेडिंग' कहानी स कहां तक असंजस्य बैठा पाते हैं?
ङ. 'सिंधु सभ्यता साधन संपन्न थी, पर उसमें भव्यता का आडंबर नहीं था।' सोदाहरण पुष्टि कीजिए।